



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

*Handwritten signature/initials*

सं. 658] नई दिल्ली, बुधवार, दिनांक 21, 1988/अग्राहायना 30, 1910  
No. 658] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 21, 1988/AGRAHAYANA 30, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग एकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

दिल्ल संञ्चालय  
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1988

अधिसूचनाएं

सं. 34/88-केन्द्रीय उत्पादशुल्क (एम० टी०)

सा. का. नि. 1190(अ) --सूचा: कृषिक जिनमें सूती और पालिस्टर क्लार्सेट सूत है। किन्तु जिनमें कोई अन्य टेक्सटाईल सामग्री नहीं है। 28 फरवरी, 1986 से प्रारम्भ होने वाला और 1<sup>मई</sup> 1986 को समाप्त होने वाला अवधि के दौरान केन्द्रीय उत्पादशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) के अनुसूचा के शर्तों से 52.08 के अधिन उत्पादशुल्क और अतिरिक्त उत्पादशुल्क (विशेष महत्व का मान) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) का पहला अनुसूचा के अधिन अतिरिक्त उत्पादशुल्क के उद्ग्रहण के अधिन था।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रथा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पादशुल्क और मरक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के धारा 3 के अधिन उत्पादशुल्क के उद्ग्रहण के संबंध में निर्धारित प्रत्यक्ष उद्ग्रहण न किया जाना था। समाधानप्रणाली प्रस्तुत की, ऐसे सूती कैंब्रिकों पर उत्पादशुल्क और अनुसूचा के शर्तों से 52.08 के अन्तर्गत काम हर पर संभावित किया जा रहा था और अतः पूर्वोक्त अवधि

के दौरान इस प्रकार प्रसारित उत्पादशुल्क के संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा निकाली गई विभिन्न अधिसूचना के साथ पठित उक्त धारा (3) के अधिन काम उद्ग्रहण किया गया था;

और पूर्वोक्त अवधि के दौरान ऐसे सूती कैंब्रिकों के उद्ग्रहणों से संबंधित अतिरिक्त उत्पादशुल्क (विशेष महत्व का मान) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) के अधिन ऐसे सूती कैंब्रिकों पर अतिरिक्त उत्पादशुल्क का जो काम उद्ग्रहण किया जा रहा था,

अब, अतः, केन्द्रीय सरकार अब केन्द्रीय उत्पादशुल्क और मरक अधिनियम 1944 को धारा 11 ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह विवेक देता है कि उक्त प्रथा के म होने पर ऐसे सूती कैंब्रिकों पर, उक्त अधिनियमों के अधिन संदे: उत्पादशुल्क और अतिरिक्त उत्पादशुल्क का उद्ग्रहण मान ऐसे सूती कैंब्रिकों का बारा सप्ता प्रस्ता नष्ट होने जिन पर उक्त उत्पादशुल्क और अतिरिक्त उत्पादशुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान काम उद्ग्रहण किया गया था

[का. सं. 51/11/36-सी एच-2/सी एकत-1]

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 21st December, 1988

## NOTIFICATIONS

No. 34/88-Central Excises (N.T.)

G.S.R. 1190 (E).—Whereas cotton fabrics containing cotton and polyester filament yarn (but not containing any other textile material) were liable to levy of duty of excise under heading No. 52.06 of the Schedule to the Central Excises Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and additional duty of excises under the First Schedule to the Additional Duties of Excises (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), during the period commencing on the 28th February, 1986 and ending with the 12th May, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) the duty of excise on such cotton fabrics was being paid at a lower rate under heading No. 52.09 of the said Schedule and therefore short-levied under the said section 3 read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so charged during the aforesaid period;

And, whereas, the additional duty of excise on such cotton fabrics was also being short-levied under the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) relating to the levy of such duties during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the said Central Excises and Salt Act, 1944 the Central Government hereby directs so much of that portion of the duty of excise and the additional duty of excise payable under the said Acts on such cotton fabrics, but for the said practice shall not be required to be paid in respect of such cotton fabrics, on which the said duty of excise and the additional duty of excise were shortlevied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 51/23/86-CX.2CX.I]

सं. 35/99-केन्द्रीय उत्पादशुल्क/(एन०टी०)

सा. का. नि. 1191(ए).—कृत्रिम कृत्रिम तिनमें पॉलिएस्टर स्ट्रेच काईवर और कोई एक या अधिक ऐसी काईवर प्रयोग रेमी और कृत्रिम स्ट्रेच काईवर हैं (जिन तिनमें कोई अन्य ईक्यूवॉलिन सामग्री नहीं है) 28 फरवरी, 1986 को प्रारम्भ होने वाले और 12 मई, 1986 को समाप्त होने वाले अवधि के दौरान कृत्रिम उत्पादशुल्क (विशेष महत्व का सामान, अधिनियम, 1957 (1957 का 58) को पहले अनुसूची के शर्तों से 55.08 के अधीन कृत्रिम उत्पादशुल्क के उद्ग्रहण के अधीन थे,

और केन्द्रीय सरकार का संवधान हो गया है कि: उक्त प्रथा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) का धारा 3 के अधिनियम के अन्तर्गत के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उक्त उद्ग्रहण न किया जाता था)। माध्यात्मक प्रवृत्ति था, ऐसे कृत्रिम कृत्रिमों पर उत्पादशुल्क 'अनुसूची' के शर्तों से 55.12 के अन्तर्गत कम दर पर सशुल्क किया जा रहा था और अतः उक्त अवधि के दौरान उक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम का धारा 3 के अधिनियम कम उद्ग्रहण किया गया था,

अतः, अतः, केन्द्रीय सरकार अधिनियम उत्पादशुल्क (विशेष महत्व का सामान) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) का धारा 3 को उपधारा (3) के माध्यम से केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) का धारा 119 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देता है कि उक्त प्रथा के न होने पर उक्त केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम का उक्त भाग ऐसे कृत्रिम कृत्रिमों का बाबत सशुल्क किया जाता अर्थात् सही होगा जिस पर उक्त उत्पादशुल्क, उक्त प्रथा के अनुसार पूर्ववर्त अवधि के दौरान कम उद्ग्रहण किया गया था।

[का. सं. 51/23/86-स एक्स-2/सा एक्स-]

एच. के. पांडा, प्रवर सचिव

No. 35/88-Central Excises (N.T.)

G.S.R. 1191 (E).—Whereas man-made fabrics containing polyester staple fibre and any one or more of the fibres, namely, ramie and artificial staple fibres (not containing any other textile material) were liable to levy of additional duty of excise under heading No. 55.08 of the First Schedule to the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), during the period commencing on the 28th February, 1986 and ending with the 12th May, 1986;

And, whereas, the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on such man-made fabrics was being paid at a lower rate under heading No. 55.12 of the said Schedule and therefore short-levied under section 3 of the said Central Excises and Salt Act, during the said period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944) read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957) the Central Government hereby directs that so much of that portion of the additional duty of excise payable under the said Central Excises and Salt Act, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such man-made fabrics, on which the said additional duty of excise was short-levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 51/23/86-CX.2/CX.I]

S. K. PANDA, Under Secy.